पालतू पशुओं का टीकाकरण

"उपचार से उत्तम बचाव" ये कहावत पशुओं पर भी लागू होती है क्योंकि पालतू पशुओं में होने वाले रोग पशुपालन पर काफी आर्थिक बोझ डालते हैं अतः उचित एवं नियमित टीकाकरण पशुओं को स्वस्थ एवं उत्पादनशील बनाए रखने में मदद करता हैं। पशुओं में टीकाकरण उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर रोगों से लड़ने की उनकी शक्ति को बढ़ा देता है। टीकाकरण कार्यक्रम को अपनाने से बीमारियों से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है। पालतू पशुओं में संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए टीकाकरण सर्वोत्तम विधि मानी जाती है।

टीकाकरण के लाभ

(1) पशुओं में होने वाली बीमारियों से बचाव ।
(2) पशुओं में होने वाली महामारी से बचाव ।
(3) पशुओं से मनुष्यों में होने वाली संक्रामक बीमारियों का बचाव ।
(4) बीमारियो के इलाज से होने वाले आर्थिक नुकसान से बचाव ।
(5) पशुजन्य या खाद्यजनित रोगों से मनुष्यों का बचाव ।
(6) किसानों की पशुपालन में कम लागत से अधिक बचत।

टीकाकरण के समय ध्यान देने योग्य बातें

(1) प्रथम टीकाकरण केवल स्वस्थ पशुओं में ही करना चाहिए।
(2) टीकाकरण से न्यूनतम दो सप्ताह पहले पशुओं को कृमिनाशक औषधि अवश्य देनी चाहिये।
(3) टीकाकरण के समय पशुओं का स्वास्थ्य उत्तम होना चाहिए। रोगी एवं दुर्बल पशुओं का टीकाकरण न करें।
(4) टीकाकरण रोग फैलने के संभावित समय से करीब 20–30 दिन पहले करना चाहिए।
(5) उचित शीत श्रृंखला का पालन किए हुए टीकों से ही टीकाकरण करना चाहिए।
(6) प्रभावी टीकाकरण के लिए झुण्ड के ज्यादातर पशुओं का टीकाकरण करना आवश्यक होता है।
(7) गर्भावस्था के दौरान टीकाकरण नहीं करना चाहिए हालांकि कुछ बीमारियों में अंतिम अवस्था में टीकाकरण अनुमोदित है।
(8) टीकाकरण का रिकार्ड रखने के लिये हमेशा पशु स्वास्थ्य कार्ड बनाए।
(9) प्रत्येक जानवर के टीकाकरण के लिये अलग–अलग सूईयों का प्रयोग करें एवं प्रयोग किये गये सूई एवं सिरिंज को सुरक्षित रूप से मानक के अनुसार डिस्पोज करें।

टीकाकरण के विफलता का कारण

- अनुचित टीकाकरण समय, कम मात्रा एवं गलत मार्ग से टीकाकरण विफलता का मुख्य कारण है।
- अनुचित मिश्रणः टीकाकरण से पहले टीकों को अच्छी तरह से मिला लेना चाहिए।
- टीकों का भंडारण उचित तापमान पर नहीं होने से इसकी क्रियाशीलता कम हो जाती है।
- टीकों की खराब गुणवत्ता टीकाकरण की विफलता का कारण हो सकता हैं।
- अनुचित समय पर टीकाकरणः कभी–कभी पशुओं के बच्चों में बहुत जल्दी टीकाकरण कर देने से माता द्वारा प्रदत्त एंटीबॉडी टीकों की क्रियाशीलता कम कर देती है।

- पशुओं में बीमारी, दबाव, कमजोरी की अवस्था में टीकाकरण करने से भी विफलता की संभावना होती है।
- झुण्ड में कम पशु को टीकाकरण करने से झुण्ड प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती जिससे टीकाकरण विफलता की सम्भावना रहती है।

(A)- गाय एवं भैंस

बीमारी	टीका	प्राथमिक टीकाकरण	अनुबर्धक	पुनः टीकाकरण
खुरपका मुँहपका	निश्क्रिय कोषिका संवर्धित टीका	4 माह से ऊपर		6 माह के अन्तराल से
गलघोंटू	निश्क्रिय टीके	4–6 माह से ऊपर	–	प्रतिवर्ष
लंगड़ी रोग	निश्क्रिय टीके	6 माह के ऊपर	प्राथमिक टीकाकरण के 6 माह अपरान्ह	प्रतिवर्ष
संक्रामक गर्भपात	सजीव टीके	4–8 माह की बछिया में	–	जीवन में एक बार
एन्थ्रैक्स / गिलटी रोग	सजीव बीजाणु टीके	6 माह से ऊपर	–	प्रतिवर्ष

(B)- भेंड़ एवं बकरी

बीमारी	टीका	प्राथमिक टीकाकरण	अनुबर्धक	पुनः टीकाकरण
पीपीआर	सजीव टीके	4 माह से ऊपर	–	तीन साल के अंतराल पर
भेंड़ चेचक	सजीव टीके	3 माह से ऊपर	–	प्रतिवर्ष
बकरी चेचक	सजीव टीके	3 माह से ऊपर	–	प्रतिवर्ष
खुरपका मुँहपका	निष्क्रिय कोशिका सवंर्धित टीके	4 माह से ऊपर	–	छह माह के अंतराल पर
गलघोंटू	निष्क्रिय टीके	6 माह से ऊपर	–	प्रतिवर्ष
एन्थ्रैक्स / गिलटी रोग	सजीव बीजाणु टीके	6 माह से ऊपर	–	प्रतिवर्ष
आंत्र विषाक्त्ता रोग	निष्क्रिय टीके	4 माह की आयु पर	प्राथमिक टीकाकरण के 15 दिन बाद	प्रतिवर्ष

(C)- सूकर

बीमारी	टीका	प्राथमिक टीकाकरण	अनुबर्धक	पुनः टीकाकरण
खुरपका मुँहपका	निष्क्रिय कोषिका संबर्धित टीके	3 माह की आयु पर	–	6 माह के अंतराल पर
सूकर ज्वर	शुष्कीकृत सजीव टीके	3 माह की आयु पर	प्राथमिक टीकाकरण के 30 दिन बाद	1 वर्ष के अंतराल पर
पोसाईन सर्को वायरस टीके	पुनः संयोजक पीसीवी–2 टीके	3 सप्ताह की आयु पर	–	प्रतिवर्ष, अगर पशु को 8 माह की आयु के बाद भी रखना है

लेखक :

डॉ अशोक कुमार तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, जैविक मानकीकरण विभाग
डॉ रूपसी तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी एटिक
डॉ त्रिवेणी दत्त, संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक), समविश्वविद्यालय
डॉ नवनीत कौर, कास्ट–एसीएलएच, परियोजना
डॉ उज्जवल कुमार डे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, रेफरेल वेटनरी, पॉलीक्लीनिक

नोट : अधिक जानकारी के लिए गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध आई.वी.आर.आई. टीकाकरण गाइड एप्प को देखें।

भाकृअनुप ICAR

NAHEP

THE WORLD BANK
IBRD • IDA | WORLD BANK GROUP

IVRI

कास्ट– एडवान्सड सेन्टर फॉर लाइवस्टॉक हैल्थ
भाकृअनुप–भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, समविश्वविद्यालय, इज्जतनगर–243 122, उ.प्र.

Printed by : ADIL-E-OFFICE MOB.: +91- 8395804304